सिंधु घाटी सभ्यता का इतिहास एवं पतन के मुख्य कारण

samanyagyan.com/hindi/gk-indus-valley-civilization

सिंधु घाटी सभ्यता का इतिहास एवं पतन के मुख्य कारण: (History of Indus Valley Civilization in Hindi)

सिंधु घाटी सभ्यता:

सिंधु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization) विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में से एक सभ्यता है। यह हड़प्पा सभ्यता और सिंधु-सरस्वती सभ्यता के नाम से भी जानी जाती है। आज से लगभग 76 वर्ष पूर्व पाकिस्तान के 'पश्चिमी पंजाब प्रांत' के 'माण्टगोमरी ज़िले' में स्थित 'हरियाणा' के निवासियों को शायद इस बात का किंचित्मात्र भी आभास नहीं था कि वे अपने आस-पास की ज़मीन में दबी जिन ईंटों का प्रयोग इतने धड़ल्ले से अपने मकानों के निर्माण में कर रहे हैं, वह कोई साधारण ईंटें नहीं, बल्कि लगभग 5,000 वर्ष पुरानी और पूरी तरह विकसित सभ्यता के अवशेष हैं। इसका आभास उन्हें तब हुआ जब 1856 ई. में 'जॉन विलियम ब्रन्टम' ने कराची से लाहौर तक रेलवे लाइन बिछवाने हेतु ईंटों की आपूर्ति के इन खण्डहरों की खुदाई प्रारम्भ करवायी। खुदाई के दौरान ही इस सभ्यता के प्रथम अवशेष प्राप्त हुए, जिसे इस सभ्यता का नाम 'हड़प्पा सभ्यता' का नाम दिया गया।

सिंधु घाटी सभ्यता की खोज कैसे हुई?

इस अज्ञात सभ्यता की खोज का श्रेय 'रखालदास बेनर्जी और दयाराम साहनी' को जाता है। उन्होंने ही पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक 'सर जॉन मार्शल' के निर्देशन में 1921 में इस स्थान की खुदाई करवायी। लगभग एक वर्ष बाद 1922 में 'श्री राखल दास बनर्जी' के नेतृत्व में पाकिस्तान के सिंध प्रान्त के 'लरकाना' ज़िले के मोहनजोदाड़ो में स्थित एक बौद्ध स्तूप की खुदाई के समय एक और स्थान का पता चला। इस नवीनतम स्थान के प्रकाश में आने के उपरान्त यह मान लिया गया कि संभवतः यह सभ्यता सिंधु नदी की घाटी तक ही सीमित है, अतः इस सभ्यता का नाम 'सिधु घाटी की सभ्यता' (Indus Valley Civilization) रखा गया। सबसे पहले 1927 में 'हड़प्पा' नामक स्थल पर उत्खनन होने के कारण 'सिन्धु सभ्यता' का नाम 'हड़प्पा सभ्यता' पड़ा। पर कालान्तर में 'पिग्गट' ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों को 'एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वा राजधानियां' बतलाया।

विशेष इमारतें:

सिंधु घाटी प्रदेश में हुई खुदाई से कुछ महत्त्वपूर्ण ध्वंसावशेषों के प्रमाण मिले हैं। हड़प्पा की खुदाई में मिले अवशेषों में महत्त्वपूर्ण थे –

- दुर्ग
- रक्षा-प्राचीर
- निवासगृह
- चबूतरे
- अन्नागार आदि।

सभ्यता का विस्तार:

अब तक इस सभ्यता के अवशेष पाकिस्तान और भारत के पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के भागों में पाये जा चुके हैं। इस सभ्यता का फैलाव उत्तर में 'जम्मू' के 'मांदा' से लेकर दक्षिण में नर्मदा के मुहाने 'भगतराव' तक और पश्चिमी में 'मकरान' समुद्र तट पर 'सुत्कागेनडोर' से लेकर पूर्व में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मेरठ तक है। इस सभ्यता का सर्वाधिक पश्चिमी पुरास्थल 'सुत्कागेनडोर', पूर्वी पुरास्थल 'आलमगीर', उत्तरी पुरास्थल 'मांडा' तथा दक्षिणी पुरास्थल 'दायमाबाद' है। लगभग त्रिभुजाकार वाला यह भाग कुल क़रीब 12,99,600 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। सिन्धु सभ्यता का विस्तार का पूर्व से पश्चिमी तक 1600 किलोमीटर तथा उत्तर से दक्षिण तक 1400 किलोमीटर था। इस प्रकार सिंधु सभ्यता समकालीन मिस्र या 'सुमेरियन सभ्यता' से अधिक विस्तृत क्षेत्र में फैली थी।

विभिन्न विद्धानों द्वारा सिंधु सभ्यता का काल निर्धारण:

काल	विद्धान
3,500 – 2,700 ई.पू.	माधोस्वरूप वत्स
3,250 – 2,750 ई.पू.	जॉन मार्शल
2,900 – 1,900 ई.पू.	डेल्स
2,800 – 1,500 ई.पू. .	अर्नेस्ट मैके
2,500 – 1,500 ई.पू.	मार्टीमर ह्वीलर
2,350 – 1,700 ई.पू.	सी.जे. गैड
2,350 – 1,750 ई.पू.	डी.पी. अग्रवाल
2,000 – 1,500 ई.पू.	फेयर सर्विस

हड़प्पा सभ्यता में आयात होने वाली वस्तुएं:

वस्तुएं	स्थल (प्रदेश)
टिन	अफगानिस्तान और ईरान से
चांदी	अफगानिस्तान और ईरान से
सीसा	अफगानिस्तान, राजस्थान और ईरान से
सेल खड़ी	गुजरात, राजस्थान तथा बलूचिस्तान से
सोना	ईरान से
तांबा	बलूचिस्तान और राजस्थान के खेतड़ी से

वस्तुएं	स्थल (प्रदेश)
लाजवर्द मणि	मेसोपोटामिया

सिन्धु सभ्यता से सम्बंधित महत्वपूर्ण वस्तुएं:

महत्वपूर्ण वस्तुएं	प्राप्ति स्थल
तांबे का पैमाना	हड़प्पा
सबसे बड़ी ईंट	मोहनजोदड़ो
केश प्रसाधन (कंघी)	हड़प्पा
वक्राकार ईंटें	चन्हूदड़ो
जुटे खेत के साक्ष्य	कालीबंगा
मक्का बनाने का कारखाना	चन्हूदड़ो, लोथल
फारस की मुद्रा	लोथल
बिल्ली के पैरों के अंकन वाली ईंटे	चन्हूदड़ो
युगल शवाधन	लोथल
मिटटी का हल	बनवाली
चालाक लोमड़ी के अंकन वाली मुहर	लोथल
घोड़े की अस्थियां	सुरकोटदा
हाथी दांत का पैमाना	लोथल
आटा पिसने की चक्की	लोथल
ममी के प्रमाण	लोथल
चावल के साक्ष्य	लोथल, रंगपुर
सीप से बना पैमाना	मोहनजोदड़ों
कांसे से बनी नर्तकी की प्रतिमा	मोहनजोदड़ों

हड़प्पा सभ्यता के पुरास्थल:

पुरास्थल	स्थान
हड़प्पा सभ्यता का सर्वाधिक पश्चिमी पुरास्थल	सत्कागेन्डोर (बलूचिस्तान)
सर्वाधिक पूर्वी पुरास्थल	आलमगीरपुर (मेरठ)
सर्वाधिक उत्तर पूरास्थल	मांडा (जम्मू कश्मीर)
सर्वाधिक दक्षिणी पुरास्थल	दायमाबाद (महाराष्ट्र)

इन्हें भी पढ़े: विश्व के प्रमुख युद्ध कब और किसके बीच हुए

सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के मुख्य कारण:

- **पारिस्थितिक असंतुलन:** फेयर सर्विस का मत,
- **वर्धित शुष्कता और धग्गर का सूख जाना:** डी.पी. अग्रवाल, सूद और अमलानन्द घोष का मत,
- **नदी का मार्ग परिवर्तन:** इस विचार के जनक माधोस्वरूप वत्स हैं। डल्स महोदय का मानना है कि धग्गर नदी के मार्ग बदलने का कारण ही कालीबंगा का पतन हुआ है। लेस्ब्रिक का भी यही मानना है।
- **बाढ़:** मोहनजोदड़ो से बाढ़ के चिह्न स्पष्ट होते हैं। मैके महोदय का मानना है कि चाँहुदड़ो भी बाढ़ के कारण समाप्त हुआ, जबकि एस.आर. राव का मानना है कि लोथल एवं भगवतराव में दो बार भीषण बाढ़ आयी।
- **एक-दूसरे प्रकार का जल प्लावन:** मोहनजोदडो, आमरी आदि स्थलों के अवलोकन से ज्ञात होता है कि सिन्धु सभ्यता में एक दूसरे प्रकार का जल प्लावन भी हुआ है। कुछ स्थलों से रुके जल प्राप्त होते हैं। इस विचार के प्रतिपादक हैं-एम.आर. साहनी। एक अमेरिकी जल वैज्ञानिक आर.एल. राइक्स भी इस मत की पुष्टि करते हैं और यह कहते हैं कि संभवत: भूकंप के कारण ऐसा हुआ।
- **बाह्य आक्रमण:** 1934 में गार्डेन चाइल्ड ने आर्यों के आक्रमण का मुद्दा उठाया और मार्टीमर व्हीलर ने 1946 ई. में इस मत की पुष्टि की। इस मत के पक्ष में निम्नलिखित साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं। बलूचिस्तान के नाल और डाबरकोट आदि क्षेत्रों से अग्निकांड के साक्ष्य मिलते हैं। मोहनजोदड़ो से बच्चे, स्त्रियों और पुरुषों के कंकाल प्राप्त होते हैं। ऋग्वेद में हरियूपिया शब्द प्रयुक्त हुआ है, इसकी पहचान आधुनिक हड़प्पा के रूप में हुई। इन्द्र को पुरंदर अर्थात् किलों को तोड़ने वाला कहा गया है।

सिंधु घाटी सभ्यता प्रश्नोत्तरी

प्रश्न	कौन-सी सभ्यता आध ऐतिहासिक काल की सभ्यता थी?
उत्तर	सैधव सभ्यता आध ऐतिहासिक काल की सभ्यता थी।
प्रश्न	हड़प्पा सभ्यता को और किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर	हड़प्पा सभ्यता को कास्यं युगीन सभ्यता के नाम से भी जाना हैं।

प्रश्न	हड़प्पा के लोगो को कांसा बनाने की कौन-सी विधि आती थी?
उत्तर	हड़प्पा के लोगो को ताँबे में टिन मिलाकर कांसा बनाने की विधि आती थी।
प्रश्न	हड़प्पा के टीले का उल्लेख कब और किसके द्वारा किया गया?
उत्तर	हड़प्पा के टीले का सर्वप्रथम उल्लेख 1826 ई0में चार्ल्स मेस्सन द्वारा किया गया।
प्रश्न	हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की सभ्यता की खोज कब और किस घटना के दौरान हुई?
उत्तर	हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की सभ्यता का रहस्योद्घाटना 1856 में करांची और लहौर के बीच रेल पटरी बिछाने के दौरान हुई।
प्रश्न	प्राचीन नगर हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खोज किसके द्वारा की गई थी?
उत्तर	जॉन ब्रंटन और विलियम ब्रंटन नामक अंग्रेजो ने प्राचीन नगर हड़प्पा और मोहनजोदड़ो सभ्यता की खोज की थी।
प्रश्न	हड़प्पा सभ्यता का उत्खनन का कार्य कहाँ और किस व्यक्ति के नेतृत्व में हुआ?
उत्तर	1921 ई0 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित हड़प्पा (मोंटगुमरी जिला) नामक स्थल पर ही सर्वप्रथम दयाराम साहनी और माधव स्वरूप वत्स के नेतृत्व में उत्खनन कार्य हुआ।
प्रश्न	मोहनजोदड़ो सभ्यता का उत्खनन का कार्य कंहाँ और किस व्यक्ति के नेतृत्व में हुआ?
उत्तर	मोहनजोदड़ो सभ्यता (म्रतको का टीला) का उत्खनन का कार्य 1992 ई0 में राखालदास बनर्जी के नेतृत्व में आम्भ हुआ, जो वर्तमान पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त के लरकाना जिले में स्थित है।
प्रश्न	किस व्यक्ति ने हड़प्पा और मोहनजोदड़ो को जुड़वा राजधानियां बताया था?
उत्तर	पिगट ने हड़प्पा और मोहनजोदड़ो को जुड़वा राजधानियाँ बताया था।
प्रश्न	हड़प्पा सभ्यता के कितने स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त हो चुकी है?
उत्तर	हड़प्पा सभ्यता के लगभग 1000 स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त हो चुकी है।
प्रश्न	हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के कितने स्थलों को नगर माना जाता है?
उत्तर	हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के 6 स्थलों को ही नगर माना जाता है। जिनमें- हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, सिंध का चन्हूदड़ो, गुजरात का लोथल, उत्तरी राजस्थान का कालीबंगा तथा हरियाणा के हिसार जिले में स्थित बनवाली शामिल है।

प्रश्न	कालीबंगा और बनवाली में हड़प्पा संस्कृति के क्या प्रमाण मिलते है?
उत्तर	कालीबंगा और बनवाली में हड़प्पा संस्कृति के निम्न प्रमाण मिलते है यंहा बिना पकी ईंटो के चबूतरें, सड़कें तथा नालियों के अवशेष है।
प्रश्न	हड़प्पा सभ्यता की मुद्राओ पर किस प्रकार का चित्र अंकित है?
उत्तर	हड़प्पा सभ्यता की मुद्राओ पर 'गरूड़' का चित्र अंकित है।
प्रश्न	हड़प्पा सभ्यता का क्षेत्रफल कितना था?
उत्तर	त्रिभुजाकार हड़प्पा सभ्यता का समूचा क्षेत्रफल 12,99,600 वर्ग किलोमीटर था।
प्रश्न	सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे बड़ी विशेषता क्या थी?
उत्तर	सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे बड़ी विशेषता 'नगर नियोजन' थी।
प्रश्न	भारत के पुरातत्व का जनक किसे कहा जाता है?
उत्तर	भारतीय पुरातत्व विभाग के पूर्व अध्यक्ष अलेक्जेंडर कनिघंम को भारतीय पुरातत्व का जनक कहा जाता है।
प्रश्न	हड़प्पा सभ्यता के सर्वाधिक स्थल कहाँ मिलते हैं?
उत्तर	हड़प्पा सभ्यता के सर्वाधिक स्थल गुजरात में मिलते है।
प्रश्न	ऋग्वेद में हड़प्पा सभ्यता को क्या कहा गया है?
उत्तर	ऋग्वेद में हड़प्पा सभ्यता को हरूपिया कहा गया है।
प्रश्न	हड़प्पा सभ्यता के विनाश के क्या कारण बताये गए हैं?
उत्तर	सिन्धु नदी को बाढ़, सिन्धु नदी का मर्ग बदलना, वर्ष की कमी, भूकम्प एवं विदेशी आक्रमण आदि जैसे कारण बताये गए हैं।
प्रश्न	मोहनजोदड़ो में सबसे विशाल भवन कहाँ था?
उत्तर	मोहनजोदड़ो में सबसे विशाल भवन अन्नागार में था।

नीचे दिए गए प्रश्न और उत्तर प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। यह भाग हमें सुझाव देता है कि सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न पूछे जा सकते हैं। यह प्रश्नोत्तरी एसएससी (SSC), यूपीएससी (UPSC), रेलवे (Railway), बैंकिंग (Banking) तथा अन्य परीक्षाओं में भी लाभदायक है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर (FAQs):

प्रश्न: 'हड़प्पा सभ्यता' का सर्वप्रथम खोजकर्ता कौन है?

उत्तर: दयाराम साहनी *(Exam - SSC CML Oct, 1999)*
प्रश्न: सिंधु घाटी सभ्यता का पत्तन नगर (बन्दरगाह) कौन-सा है?

उत्तर: लोथल *(Exam - SSC CML Oct, 1999)*
प्रश्न: सिन्धु घाटी सभ्यता की खोज के साथ किसका नाम जुड़ा था?

उत्तर: सर मोर्टीमर ह्वीलर *(Exam - SSC SOC Dec, 2000)*
प्रश्न: हड़प्पा की सभ्यता किस युग की थी?

उत्तर: कांस्य युग *(Exam - SSC CML May, 2001)*
प्रश्न: सिंधु घाटी की सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या था?

उत्तर: व्यापार *(Exam - SSC CML May, 2001)*
प्रश्न: सिन्धु घाटी सभ्यता की मुख्य विशेषता क्या थी?

उत्तर: व्यवस्थित्त शहरी जीवन *(Exam - SSC SOA Sep, 2007)*
प्रश्न: सिंधु सभ्यता के लोग प्राय अपने मकान बनाते थे-

उत्तर: पक्की ईंटों से *(Exam - SSC SOA Nov, 2008)*
प्रश्न: सिंधु घाटी सभ्यता का बंदरगाह वाला नगर था-

उत्तर: लोथल *(Exam - SSC STENO G-CD Oct, 2011)*
प्रश्न: सिंधु घाटी सभ्यता का विशाल स्नानागार कहाँ पाया गया?

उत्तर: मोहनजोदड़ो *(Exam - SSC CHSL Dec, 2011)*
प्रश्न: सिन्धु घाटी सभ्यता के शहरों की गलियाँ कैसी थी ?

उत्तर: चौड़ी और सीधी *(Exam - SSC FCI Feb, 2012)*

You just read: Sindhu Ghaatee Sabhyata Ka Itihaas Aur Patan Ke Mukhy Kaaran Par Aadhaarit Samanya Gyan